अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल

तत्त्व ज्ञान वर्ष : 2019 **दिनांक : 17-12-2019**

समय : 3 घंटा **षष्ठम वर्ष–प्रथम प्रश्न पत्र** **पूर्णांक : 100**

गतागत–40

प्र. 1 किसी आठ प्रश्नों के उत्तर दें–(कितनी व कहाँ-कहाँ से) गति-आगति लिखें– 24

(क) पांचवी नरक
(ख) संज्ञी तिर्यंच पंचेन्द्रिय
(ग) वासुदेव प्रतिवासुदेव
(घ) हरिवास, रम्यकवास के यौगलिक
(ङ) अवधिज्ञान
(च) नपुंसक वेद
(छ) औदारिक शरीर
(ज) स्त्री वेद
(झ) मतिज्ञान श्रुतज्ञान
(ञ) विभंग अज्ञान

प्र. 2 किन्ही चार प्रश्नों के उत्तर लिखें– 16

(क) पद्म लेश्या वाले पद्म लेश्या में जाए तो आगति व गति
(ख) देवकुरू, उत्तरकुरू के यौगलिक तथा हेमवत, हैरण्यवत के यौगलिक में गति आगति
(ग) सम्यक् दृष्टि व सम्यक् मिथ्यादृष्टि में आगति व गति
(घ) केवलज्ञानी व चक्रवर्त्ती में आगति व गति
(ङ) उर्ध्व लोक, अधोलोक व मध्य लोक में जीव के भेद कितने-कितने?
(च) घातकी खंड में तथा देवता के भेद कितने व कौन से भेद पाते हैं?

काय स्थिति–40

प्र. 3 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर लिखें–(जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर) 30

(क) समुच्चय निगोद
(ख) स्त्री वेदी
(ग) मिथ्यात्वी
(घ) उपशम वेदी
(ङ) चक्षु दर्शनी
(च) छद्मस्थ आहारक
(छ) बादर भाव पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?
(ज) आहारक शरीर को पुद्गल परावर्तन में क्यों नहीं ग्रहण किया जाता है?
(झ) अवधिदर्शनी की जघन्य व उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बताएं कि उत्कृष्ट स्थिति किस अपेक्षा से है?
(ञ) सवेदी की जघन्य व उत्कृष्ट कायस्थिति लिखते हुए बताऐं कि सादि सान्त की स्थिति किस प्रकार घटित होती है?

(ट) संसारी अभाषक की जघन्य उत्कृष्ट कायस्थिति व जघन्य उत्कृष्ट अंतर लिखते हुए बताऐं कि इसकी जघन्य स्थिति के पीछे क्या अपेक्षा है?

प्र. 4 किन्हीं दस प्रश्नों के उत्तर एक या दो लाईन में लिखें– 10

(क) सूक्ष्म निगोद व बादर निगोद का मिलाने से क्या स्थिति घटित होती है?

(ख) पुद्गल परावर्तन का कालमान कितना है?

(ग) संयता संयति की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(घ) प्रथम और दूसरे देवलोक की अपरिगृहीत देवियों की स्थिति कितनी है?

(ङ) द्वीन्द्रिय की उत्कृष्ट भवस्थिति कितनी है?

(च) भाषक की जघन्य कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(छ) शुक्ललेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ज) बादर क्षेत्र पुद्गल परावर्तन किसे कहते हैं?

(झ) पद्मलेश्या की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी व किस अपेक्षा से है?

(ञ) छद्मस्थ का उपयोग कितने समय का होता है?

(ट) कापोतलेश्यी की उत्कृष्ट कायस्थिति कितनी है? इसके पीछे क्या कारण है, लिखें।

(ठ) संसार परीत किसे कहते हैं?

गीतिका (पांच वर्षों की)–20

प्र. 5 किन्हीं चार पद्यों को अर्थ सहित लिखें– 16

(क) इम सांमल.....भाष ए।

(ख) ए दान.....मिथ्यात ए।

(ग) जीव अजीव.....डिगाई रे।

(घ) सावद.....नांई रे।

(ङ) हाड मिजां.....अवतार।

(च) पिण बाकी.....में ए।

प्र. 6 किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर एक दो पंक्तियों में लिखें– 4

(क) चार अघाति कर्मों को जीव किस गुणस्थान में क्षीण करता है?

(ख) देश मोह तथा सर्व मोह का उपशम निष्पन्न भाव किन गुणस्थानों में होता है?

(ग) सब खानों में.....नहीं होते हैं, सब बगीचों में.....नहीं होता है।

(घ) .....ने ..... के घर बारह वर्ष तक सिर पर पानी ढोया।

(ङ) कई अज्ञानी कहते हैं कि श्रावक का.....क्यों नहीं करें। वह तो..... का पात्र है।

(च) आठों कर्मों की सत्ता किन-किन गुणस्थानों में है?